तुम हमारी थी मईया जी

तुम हमारी थी मईया जी, तुम हमारी हो,
तुम हमारी ही रहोगी, माँ मेरी अम्बे ॥
हम तुम्हारे थे मईया जी, हम तुम्हारे है,
हम तुम्हारे ही रहेंगे, माँ मेरी अम्बे
तुम हमारी थी मईया जी,,,,,,,,,,,,,

तुम्हे छोड़ कर, मईया प्यारी, कोई न मीत हमारा ॥
किसके द्वार पे, जाएँ पुकारूँ, और न कोई सहारा
अब तो आ कर, बाँह पकड़ लो, माँ मेरी अम्बे
तुम हमारी थी मईया जी,,,,,,,,,,,,

तुमरे कारण, सब जग छोड़ा, तुम संग नाता जोड़ा ॥
एक वार माँ, हँस कर कह दो, तूँ मेरी मैं तेरा
साँची प्रीत की, रीत निभा दो, माँ मेरी अम्बे
तुम हमारी थी मईया जी,,,,,,,,,,,,

दास की यह, बिनती सुन लीजे, ओ मेरी मईया प्यारी ॥
आखिरी आस, यही जीवन की, पूर्ण करना हमारी
एक वार, ह्रदय से लगा लो, माँ मेरी अम्बे
तुम हमारी थी मईया जी,,,,,,,,,,,,
अपलोड कर्ता- अनिल भोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5395/title/tum-harmari-thi-maiya-ji-tum-hamari-ho-tum-hamari-hi-rahogi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |